Lect. 05

micro Economics

उपभोग (Consumption) के अन्तर्गत

उपयोगिता (तुष्टिगुण) विश्लेषण

(गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण)

(Utility Analysis (Cardinal Utility Analysis)) I

B.A. I (Hons)

Dr. Dineshwar Paswan
Assistant professor
Deptt. of Economics
MLS College, Sarisab-pahi
(Madhubani)
Mobile No. :- 9973592631

उपयोगिता विश्लेषण :

उपयोगिता का दूसरा नाम तुष्टिगुण के नाम से भी जाना जाता है। सर्वप्रथम उपयोगिता की परिभाषा क्या होगा? इसके संदर्भ में ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी वस्तु में मनुष्य की आवश्यकता-पूर्ति करने की जो क्षमता होती है उसे ही उपयोगिता (Utility) कहते हैं, अर्थात किसी वस्तु में मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने का जो गुण रहता है, वह उसकी उपयोगिता कहलाता है। इसके संदर्भ में, प्रो० ब्रिग्स तथा जॉर्डन के शब्दों में, "उपयोगिता संतुष्टि की मात्रा अथवा संतोष के घनत्व की माप है।" इसके बाद प्रो० मेयर्स (Meyers) का भी कहना है कि "किसी भी वस्तु में मनुष्य की आवश्यकता को संतुष्ट करने की जो क्षमता या गुण है उसे उपयोगिता कहते हैं।" दूसरे शब्दों "वस्तु की आवश्यकता-पूर्ति की क्षमता को उसकी उपयोगिता कहते हैं।" अर्थात (Utility is the capacity of a commodity to satisfy human wants) उदाहरण स्वरूप, रोटी और दूध में उपयोगिता है, क्योंकि इनमें मनुष्य की भूख मिटाने की आवश्यकता को संतुष्ट करने की क्षमता है। वास्तव में, उपयोगिता किसी वस्तु की 'आवश्यकता-पूर्ति की शक्ति' है इसे दूसरे रूप में, कह सकते हैं कि आवश्यकता संतुष्टि शक्ति है (want-satisfying power)। (1) प्रो० जेवन्स के अनुसार, "उपयोगिता से हमारा अभिप्राय किसी वस्तु के उस अमूर्त गुण से है जिसके द्वारा हमारे उद्देश्यों की पूर्ति होती है।" (2) श्रीमती रॉबिन्सन के अनुसार "उपयोगिता वस्तुओं का वह गुण है जिसके फलस्वरूप लोग उसे खरीदना चाहते हैं।"

p.t.o.

साथ ही प्रो० टॉमस (Thomas) के शब्दों में, "चाहे किसी वस्तु के उपभोग का उपभोक्ता पर बुरा प्रभाव पड़े, चाहे इसके उपभोग से समाज का अहित हो, किन्तु, यदि वह किसी उपभोक्ता के मस्तिष्क या शरीर की किसी भी आवश्यकता की पूर्ति करती है तो उसमें उपयोगिता मानी जाती है।

उपर्युक्त उपयोगिता विश्लेषण के दौरान मुख्यतः दो शब्द आया है, जिसका नाम 'उपयोगिता और संतुष्टि'। ये दोनों शब्द का शब्दार्थ अलग-अलग है जो इस प्रकार है

उपयोगिता :— उपयोगिता किसी वस्तु की संतुष्टि देने की क्षमता का नाम है।

और संतुष्टि :— संतुष्टि वह है जो हमें किसी वस्तु के उपभोग से प्राप्त होती है, अर्थात् उपयोगिता कारण (cause) और संतुष्टि उसका परिणाम (effect) है।

क्या उपयोगिता मापनीय है? (Is Utility measurable?)

गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण :— Cardinal Utility

यूरोप के विभिन्न देशों के अर्थशास्त्रियों ने 19वीं शताब्दी में गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण का प्रतिपादन परम्परावादी अर्थशास्त्रियों जैसे — एडम स्मिथ, रिकार्डो आदि के विचारों की आलोचना के रूप में किया था। इस आलोचना का विकास ड्यूपिट (Duipit), गोसेन (Gossen), वालरस (Walras), मेंजर (Menger), तथा जेवेन्स (Jevons) ने किया था। 20वीं शताब्दी में मार्शल (Marshall) तथा पीगू ने गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण की विवेचना की है। इस विश्लेषण के अनुसार उपयोगिता मापनीय होती है और इसे गणनावाचक संख्याओं (Cardinal Numbers) जैसे — 1, 2, 3, 4 में मापा जा सकता है।

उपयोगिता की विशेषताएँ (Characteristics of Utility)

1. उपयोगिता मानव की आवश्यकता अथवा तीव्रता पर निर्भर करती है।
2. उपयोगिता का भौतिक रूप नहीं होता है।
3. उपयोगिता सापेक्षिक होता है।
4. उपयोगिता और संतुष्टि दोनों शब्द समान अर्थ नहीं होता है।
5. उपयोगिता मापा जा सकता है।
6. उपयोगिता नैतिक मूल्यों से प्रभावित नहीं होता।

उपयोगिता के भेद (Kinds of Utility)

1. सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility) (MU) एवं
2. कुल उपयोगिता (Total Utility) (TU)

Scanned with CamScanner